सांध्य दैनिक
4PM

उन पत्थरों को उठाइए जो लोग आप पर फेंकते हैं और उनका इस्तेमाल कर के एक स्मारक खड़ी कर दीजिये।
-रतन टाटा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 62 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 6 अप्रैल, 2023

पंजाब की कानून व्यवस्था से किसी... 2 | नेता जी को याद आया वादा, वोटों... 3 | नेता जी को पद्म विभूषण महान... 7

जिद की भेंट चढ़ गया पूरा सत्र

आखिरी दिन भी हुआ हंगामा, सब ठप

काले व भगवा कपड़ों में दिखे सांसद

» लोकसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

» सत्तापक्ष पर चढ़ा भगवा रंग विरोध में विपक्ष ने ओढ़ा काला कपड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिर जिसका डर था वही हुआ। लोक सभा के बजट सत्र का दूसरा चरण माननीयों की जिद की भेंट चढ़ गया। वृहस्पतिवार को 11 बजे कार्यवाही शुरू हुई और दोनों ओर से शोरशराबा होता रहा। इस बीच लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सत्र के कामकाज का ब्यौरा सौंपा। उसके बाद उन्होंने संसद को अनिचितकाल के लिए स्थगित कर दिया। वहीं राज्यसभा दोपहर दो बजे तक स्थगित की गई है।

13 मार्च से शुरू हुए संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में विपक्ष और सत्ता पक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा और राज्यसभा में बार-बार व्यवधान हुआ। दोनों सदनों की कार्यवाही ठीक तरह से नहीं चल पाई। बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण से शुरू हुआ था। बजट सत्र का दूसरा चरण आज यानी छह अप्रैल तक ही निर्धारित है। आज सदन में एक नया नजारा देखने को मिला। लोकसभा में हंगामा होता रहा पर वहां पर सबकी नजर सत्तापक्ष के कपड़ों पर रही। जहां विपक्ष पार्टी के नेता काले कपड़े पहनकर पहुंचे थे वहीं भाजपा सांसद पार्टी की स्थापना दिवस पर भगवा कपड़े पहनकर संसद में पहुंचे थे।

बिरला ने सांसदों की शिष्टाचार बैठक बुलाई

संसद के बजट सत्र के अंतिम दिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों की शिष्टाचार बैठक आयोजित की। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए।

विपक्ष को कमजोर करने की कोशिश : खरगे

कांग्रेस के राष्टीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राहुल गांधी को संसद से अयोग्य घोषित कर दिया गया है फिर भी वे माफी की मांग कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि वे विपक्ष को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष द्वारा अदाणी मामले में जेपीसी गठन पर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में लोकतांत्रिक तरीके से लड़ना हमारा काम है। सरकार अगर नहीं मानती है तो ये हठधर्मी है। सरकार को हमेशा सकारात्मक रहना चाहिए, प्रतिक्रिया देनी चाहिए। अगर आप लोकतंत्र को जिंदा रखना चाहते हैं तो विपक्ष की भी बात सुननी चाहिए।

स्थगन प्रस्ताव नोटिस

कांग्रेस के लोकसभा सांसद मनीष तिवारी ने सरकार द्वारा पेगासस जैसे निगरानी उपकरणों की कथित खरीद पर चर्चा करने के लिए स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया।अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता एम थम्बीदुरई ने कृषि क्षेत्रों में कोयला खदानों की स्थापना के लिए बोली प्रक्रिया पर संसद में ध्यान देने का नोटिस दिया है। इसके साथ ही केंद्रीय कोयला और खान मंत्री से इसका जवाब देने का भी अनुरोध किया।

भाजपा ने किया लोकतंत्र को खत्म करने का काम : वेणुगोपाल

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पूरी भाजपा और नरेंद्र मोदी सरकार लोकतंत्र को खत्म करने का काम कर रही है। पूरे सत्र में वे बस अडानी को बचाने में लगे थे। हम बस जेपीसी जांच की मांग कर रहे हैं। वे इस पर बात तक नहीं कर रहे हैं। हम इस मुद्दे को जनता के बीच लेकर जाएंगे।

कांग्रेस और उनके साथियों ने नहीं चलने दिया सदन : किरेन रिजिजू

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस और उनके साथियों ने बहुत गलत तरीके से परेशान किया और सदन को चलने नहीं दिया। राहुल गांधी को लेकर कांग्रेस पार्टी और उसके साथियों ने जो किया है वो देश देख रहा है। कांग्रेस और उनके गिरोह मिलकर कोर्ट में दबाव डालने के लिए सूरत कोर्ट में जाकर जिस तरह जुलूस निकालकर कोर्ट के परिसर में गए, मैं इसका खंडन करना चाहता हूं।

सबको साथ लेकर ही बनेगा देश : मोदी

» भाजपा के स्थापना दिवस पर बताईं भविष्य की योजनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने सबकों साथ लेकर चलने का आवाह्न किया है। उन्होंने अपने 40 मिनट 43 सेकेंड के भाषण में प्रधानमंत्री ने पार्टी की स्थापना से लेकर अब तक के सफर का जिक्र किया। कार्यकर्ताओं को संगठित और मजबूत होने के लिए मंत्र दिया। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों पर निशाना भी साधा और भविष्य की योजनाएं भी बताई।

कार्यकर्ताओं को संगठित और मजबूत होने के लिए मंत्र दिया। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों पर निशाना भी साधा और भविष्य की योजनाएं भी बताईं। प्रधानमंत्री ने पार्टी के संस्थापक सदस्यों से लेकर पुराने नेताओं तक को याद किया। आज हनुमान जयंती है। इसलिए पीएम मोदी ने भगवान हनुमान का जिक्र करते हुए भी कई मिसालें दीं। कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया। आज हम देश के कोने-कोने में भगवान हनुमानजी की जयंती मना रहे हैं। हनुमानजी का जीवन, प्रसंग आज भी हमें भारत की विकास यात्रा में प्रेरणा देते हैं। हमारी सफलताओं में महान शक्ति के आशीर्वाद प्रतिबिंबित होते हैं। भाजपा सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ काम कर रही है। सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण को हमने हमेशा अपने हृदय और कार्यशैली में सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

मोदी सरकार पर विपक्ष ने बोला हल्ला

» संसद से विजय चौक तक निकाला तिरंगा मार्च

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के आखिरी दिन विपक्षी सांसदों ने संसद से विजय चौक तक तिरंगा मार्च निकाला। इस यात्रा केजरिए विपक्ष ने भाजपा सरकार पर जमकर हल्ला भी बोला। इस यात्रा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भी शामिल रहीं।

उधर सूत्रों के अनुसार जानकारी मिली है कि संसद के बजट सत्र के आखिरी दिन आज लोकसभा अध्यक्ष द्वारा आयोजित की जाने वाली शाम की चाय

बैठक में कांग्रेस सहित 13 राजनीतिक दल शामिल नहीं होंगे। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण का आज अंतिम दिन है। अंतिम दिन भी विपक्षी दलों ने जमकर हंगामा किया। बता दें कि विपक्षी दल अदाणी ग्रुप के मुद्दे पर जेपीसी जांच की मांग कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले मंगलवार व बुधवार को भी संसद के दोनों सदनों में हंगामा हुआ।

निकाय चुनाव में एकजुट हों दलित और मुस्लिम : मायावती

» भाजपा को हर हाल में रोकना है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा के शीर्ष नेतृत्व ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि शहरी निकाय चुनाव में बसपा दलित-मुस्लिम समीकरण बनाने की कोशिश करें। हालांकि यह उसके लिए आसान नजर नहीं आ रहा है।

भाजपा को सिर्फ रोक सकती है बसपा

प्रदेश में कुल 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका परिषद और 544 नगर पंचायतों में चुनाव हो रहा है। इसके लिए बसपा ने फिर से मुस्लिमों को जोड़ने की आस लगाई है। कोऑर्डिनेटरों से कहा गया है कि मुस्लिमों को यह समझाया जाए कि दलित मुस्लिम मिलकर ही भाजपा की राह रोक सकते हैं। इसके लिए गांव चलो अभियान शुरू किया गया था, जिसमें मुस्लिमों को जोड़ने के लिए कैडर कैंप लगाए गए। लगातार कैंप लगे, पर उसका बड़ा लाभ बसपा को मिल जाएगा, इसे लेकर अभी बसपा थिंक टैंक ही मुतमइन नहीं है। बसपा चाह रही है कि इस बार यह ग्राफ बढ़ाया जाए। हालांकि इसे बचाकर रखना ही बसपा के लिए बड़ी चुनौती मानी जा रही है।

गांव चलो अभियान में बसपा ने इसी समीकरण पर मुख्य फोकस किया था, पर इसका ऐसा सार्थक परिणाम नहीं निकल पाया जिसकी बसपा सुप्रीमो मायावती को उम्मीद थी। हालांकि इससे गांवों में बसपा ने अपना आधार मजबूत करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी और इसमें कुछ लोगों को जोड़ा भी गया। ऐसे में सभी कोऑर्डिनेटरों से कहा गया है कि जिन सीटों पर दलित और मुस्लिम मिलकर जीत हासिल कर सकते हों, वहां दोनों को ही बसपा से जोड़ने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया जाए। इसी समीकरण के साधने वाले उम्मीदवार चुने जाएं। दरअसल बसपा के लिए विधानसभा चुनाव 2022 बेहद खराब रहा। इस चुनाव में बसपा से मुस्लिम वोटर तो कटे ही, दलित भी छिटके। यह स्थिति तब थी जब इस चुनाव में बसपा ने 60 सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवारों को चुनावी रण में उतारा था। इनमें से एक भी उम्मीदवार नहीं जीत पाया। इसका मुख्य कारण मुस्लिम वोट बैंक का बड़ा हिस्सा सपा की ओर जाना माना गया।

बसपा को बदनाम कर रही है सपा

लखनऊ। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य पर मुकदमा दर्ज होने के बाद मायावती ने ट्वीट के माध्यम से सपा पर निशाना साधा है। बसपा प्रमुख ने कहा कि सपा प्रमुख की मौजूदगी में मिले मुलायम कांशीराम हवा में उड़ गए जय श्री राम नारे को लेकर रामचरितमानस विवाद वाले सपा नेता पर मुकदमा होने की खबर आज प्रमुख है। वास्तव में यूपी के विकास व जनहित की बजाय जातिवादी द्वेष अनर्गल मुद्दों की राजनीति करना सपा का स्वभाव रहा है। इसी के तहत उस दौरान अयोध्या श्री राम मंदिर व अपरकास्ट समाज आदि से संबंधित जिम्मेदारों को प्रचारित किया गया वह बसपा को बदनाम करने की सपा की साजिश थी। आज सपा की ऐसी हरकतों से ही खासकर दलितों अन्य पिछड़ों , मुस्लिम समाज को सावधान रहने की सख्त जरूरत है।

सिंधिया का जयराम रमेश पर पलटवार, कहा-

कविताएं कम, इतिहास ज्यादा पढ़ें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी की सांसदी जाने के बाद बीजेपी और कांग्रेस आमने-सामने है। विभिन्न मुद्दों और मोर्चों पर पार्टी नेता एक दूसरे को घेरते नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और कांग्रेस नेता जयराम रमेश आमने-सामने आ गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने जयराम रमेश पर उन्हें गद्दार कहने पर पलटवार किया है।

उन्होंने जवाहरलाल नेहरू की किताब, Glimpses of World History का एक अंश ट्वीट कर कहा कविताएं कम और इतिहास ज़्यादा पढ़ें। किताब का अंश जो उन्होंने ट्वीट किया है, उसमें लिखा है कि इस प्रकार मराठों ने दिल्ली साम्राज्य को जीता। मराठा ब्रिटिश वर्चस्व को चुनौती देने के लिए बने रहे। लेकिन मराठा शक्ति ग्वालियर के महादजी सिंधिया की मृत्यु के बाद टुकड़े-टुकड़े हो गई। वहीं, एक अन्य ट्वीट में उन्होंने किताब के एक अन्य अंश को शेयर किया है, जिसमें लिखा है, मराठों ने 1782 में दक्षिण में अंग्रेजों को हराया। उत्तर में, ग्वालियर के सिंधिया का प्रभुत्व था और दिल्ली के गरीब असहाय सम्राट को नियंत्रित किया। दरअसल, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को राहुल गांधी और कांग्रेस पर तीखा हमला किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि पार्टी के पास देश के खिलाफ काम करने वाले गद्दार के अलावा कोई विचारधारा नहीं बची है। बीजेपी नेता ने मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद राहुल गांधी को स्पेशल ट्रीटमेंट देने के लिए कांग्रेस पर हमला किया और पार्टी पर न्यायपालिका पर दबाव डालने और प्रासंगिक बने रहने के लिए हर संभव प्रयास करने का आरोप लगाया।

पंजाब में अराजकता फैलाने वालों को नहीं बख्शेंगे : केजरीवाल

» राज्य की कानून व्यवस्था है चाक-चौबंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़ । आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अमृतपाल सिंह का नाम लिए बगैर कहा कि पंजाब की शांति के साथ किसी को खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। अगर कोई ऐसी कोशिश करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में की गई कई मिसाली पहलकदमियों के लिए भगवंत मान की सराहना की।

केजरीवाल ने कहा कि राज्य सरकार की अथक कोशिशों से पिछली सरकारों के संरक्षण प्राप्त ज्यादातर गैंगस्टर आज सलाखों के पीछे हैं। उन्होंने कहा कि राम नवमी पर देश के कई राज्यों में दंगे हुए लेकिन पंजाब में एक भी घटना नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मान साहब ने पिछले एक माह के दौरान जिस परिपक्वता के साथ सख्त फैसले लिए हैं उसके चलते किसी ने अराजकता फैलाने की कोशिश नहीं की। सभी जानते हैं कि जो ऐसा करेगा वह बख्शा नहीं जाएगा।

दिल्ली में उप राज्यपाल ने रुकवाया योग

केजरीवाल ने दिल्ली के उप राज्यपाल पर निशाना साधा और कहा कि दिल्ली में भी उनकी सरकार की ओर से मुफ्त में लोगों को योगासन सिखाने की शुरुआत की गई थी लेकिन उप राज्यपाल ने इसे रुकवा दिया लेकिन भविष्य में इसे दोबारा जरूर शुरू किया जाएगा, क्योंकि अच्छे कामों को कोई रोक नहीं सकता है। आने वाले समय में पंजाब में आम आदमी क्लीनिक की संख्या बढ़ाकर करीब चार हजार की जाएगी। पंजाब के हर गली-मोहल्ले में क्लीनिक खोले जाएंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जिला खेल अधिकारी को शहीद मेजर तेजिंदरपाल सिंह सोहल जिम्नेजियम हॉल के मरम्मत के लिए 90 लाख रुपये की अनुदान का स्वीकृति पत्र सौंपा।

भाजपा से आजाद को कुछ नहीं मिलेगा

» दिग्विजय बोले: कांग्रेस को क्या एक्सपोज और डेमोलिश करेंगे, पहले अपनी पार्टी को तो बचा लें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पूर्व कांग्रेसी नेता गुलाम नबी आजाद पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने निशाना साधा और दगाबाज बताया। गुलाम नबी आजाद ने अपनी आत्मकथा 'आजाद' में पीएम नरेंद्र मोदी को नर्म दिल और कांग्रेस सरकार के समय हुए गलत काम का जिक्र किया है। इस पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि गुलाम नबी भाईजान आप कांग्रेस को क्या एक्सपोज और डेमोलिश करेंगे। पहले कश्मीर में अपनी पार्टी को तो बचा लीजिए।

40 साल कांग्रेस में रहकर आपने पार्टी के साथ दगा कर दिया..अब भाजपा व मोदी की बैसाखियों के सहारे क्या हासिल कर लेंगे। सिंह ने कहा कि 40 साल कांग्रेस में रहकर आपने पार्टी के साथ दगा कर दिया। अब भजापा व मोदी जी की बैसाखियों के सहारे क्या हासिल कर लेंगे। गुलाम नबी आजाद ने अपनी आत्मकथा को लेकर मीडिया से बातचीत में कहा कि मैं कांग्रेस को बेनकाम और पूरी तरह ध्वस्त नहीं करना चाहता। नेतृत्व के साथ मेरे कुछ मतभेद हो सकते हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी या कांग्रेस की विचारधारा से मेरे कोई मतभेद नहीं हैं।आजाद ने कहा कि बेशक मैंने अपनी किताब में नेहरू जी के समय में, इंदिरा जी के समय में, राजीव जी के समय में क्या गलत हुआ, इसका उल्लेख किया है, लेकिन मैंने यह भी कहा कि वे बड़े नेता थे।

हारी विधानसभा सीटों की रिपोर्ट तैयार

इंदौर। इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अब कांग्रेस चुनावी मोड में नजर आने लगी है। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच पटरी नहीं बैठने जैसी बातें भी अवसर उठती है, लेकिन हकीकत यह है कि दोनो नेता तालमेल के साथ संगठन का काम कर रहे है। कमलनाथ ने चुनावी रणनीति का खुलासा भी इंदौर यात्रा के दौरान किया। उन्होंने बताया कि लगभग रोज दिग्विजय सिंह और उनके बीच चर्चा होती है। दिग्विजय सिंह उन सीटों पर ज्यादा जोर दे रहे है, जहां कांग्रेस ज्यादा कमजोर है और लगातार तीन-चार मर्तबा चुनाव हार चुकी है। ऐसी सीटों के दौरे सिंह कर रहे है और वहां संगठन के पदाधिकारियों से मुलाकात कर हार के कारणों की समीक्षा की जा रही है। इसके अलावा कांग्रेस के अलग-अलग गुटों को एक साथ बैठा कर इस बार चुनाव में एकजुट होकर काम करने को कहा जा रहा है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

'अपनी पार्टी' प्रमुख अल्ताफ बुखारी को गृह मंत्रालय ने दी जेड प्लस सुरक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर की अपनी पार्टी के प्रमुख अल्ताफ बुखारी को जेड प्लस सुरक्षा देने को मंजूरी दी है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुखारी को सशस्त्र कमांडो की सुरक्षा प्रदान की है। यह सुरक्षा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और जम्मू-कश्मीर पुलिस संयुक्त रूप से प्रदान करेंगे। जेड प्लस देश में किसी व्यक्ति को प्रदान की जाने वाली दूसरी उच्चतम श्रेणी की सुरक्षा है।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा के लिए बुखारी के साथ चौबीसों घंटे करीब 20-24 सशस्त्र कर्मियों की एक टुकड़ी पालियों में तैनात रहेगी। मंत्रालय ने केंद्रीय खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों की जोखिम विश्लेषण रिपोर्ट की सिफारिश पर बुखारी को सुरक्षा प्रदान किए जाने की मंजूरी दी है। बुखारी पहले जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) में थे, लेकिन उन्होंने पार्टी छोड़कर मार्च 2020 में अपनी खुद की पार्टी बना ली थी। बुखारी ने पिछले साल श्रीनगर में बुखारी ने एक बड़ी रैली की थी।

सीबीआई के बहाने होती सियासत

» सरकारें करती हैं इस्तेमाल
» विपक्षी नेताओं को घेरने का बनी हथियार
» एक अप्रैल 1963 को हुई सीबीआई की स्थापना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में सीबीआई आजकल सुर्खियों में बनी हुई है। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक उसके कसीदे पढ़ रहे हैं। जहां सत्ता पक्ष उसके साथ खड़ा है तो विपक्ष उसपर हमलावर है। दरअसल आजकल देश भर में विपक्ष के नेताओं के यहां सीबीआई किसी न किसी पूछताछ के बहाने पहुंच रही है। कांग्रेस समेत कई अन्य दल उस पर सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस की सरकार के समय बनी सीबीआई बड़े अपराधों की छानबीन के लिए बनी थी। पर समय के साथ-साथ उसका प्रयोग राजनैतिक दुराग्रहों में भी होने लगा। संप्रग सरकार के समय व इतना बदनाम हुई कि सुप्रीम कोर्ट ने उसे तोता नाम दे दिया था।

राजग सरकार में वह प्रतिद्वंद्व पार्टियों के उपर इतनी तेजी से काम कर रही है कि उसकी सबसे ज्यादा आलोचना हो रही है। हांलाकि सीबीआई व ईडी को लेकर विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में रिट दायर की थी कि पर उसे खारिज कर दिया। उधर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई के डायमंड जुबली कार्यक्रम के दौरान सीबीआई अधिकारियों से कहा कि कोई भी भ्रष्टाचारी बचना नहीं चाहिए और हमारी कोशिशों में कोई भी ढील नहीं आनी चाहिए।

सरकार ने भ्रष्टाचार के उन्मूलन और सत्यनिष्ठा को स्थापित करने के लिए लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से दिल्ली स्पेशल पुलिस इस्टैब्लिशमेंट एक्ट, 1946 पारित हुआ। सन 1962 में लाल बहादुर शास्त्री ने प्रशासन में भ्रष्टाचार की बढ़ती घटनाओं से निपटने और सुझाव देने के लिए संथानम कमेटी नियुक्ति की। कमेटी की संस्तुतियों पर अमल करते हुए भारत सरकार ने एक अप्रैल 1963 को प्रस्ताव द्वारा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई की स्थापना की। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) भारत की प्राथमिक जांच एजेंसी है, जिसे 1 अप्रैल 1963 को गृह मंत्रालय, भारत सरकार के एक संकल्प द्वारा स्थापित किया गया था। सीबीआई के पहले डायरेक्टर डी.पी.कोहली थे। उन्होंने सीबीआई अधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा- सत्य निष्ठा दोनों में उच्चतम स्तर की अपेक्षा करती है। शुरुआत से ही सीबीआई ने अपने आदर्शवाद के उद्यमिता, निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा के पथ पर चलते हुए अत्यंत जटिल और संवेदनशील मामलों की जांच में सत्य को उजागर कर देश की विभिन्न संस्थाओं और जनता का विश्वास अर्जित किया है। सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, केंद्र व राज्य सरकार, लोकपाल और केंद्रीय सतर्कता आयोग ने निरंतर राष्ट्रीय और अंतरर्राष्ट्रीय महत्व की संगीन आपराधिक मामलों की जांच सौंपकर सीबीआई की जांच प्रणाली में अपना विश्वास व्यक्त किया है।

सीबीआई की जिम्मेदारी

सीबीआई पर गंभीर मामलों की जांच, अनुसंधान और उनके सफल अभियोजन का दायित्व है। अंतरर्राष्ट्रीय सहयोग के अंतर्गत इंटरपोल की नोडल एजेंसी के रूप में काम करने वाली सीबीआई आज देश के विभिन्न पुलिस बल के साथ परस्पर समन्वय, प्रशिक्षण और रिसर्च के माध्यम से राष्ट्र को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। सीबीआई की वास्तविक शक्ति उसके अनुसंधान और अभियोजन अधिकारियों की पेशेवर दक्षता, कर्तव्य के प्रति समर्पण और ईमानदारी से ही है। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में सीबीआई अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाता है।

आर्थिक प्रणाली पर बढ़ाया लोगों का विश्वास

देश की आर्थिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए सीबीआई बैंक धोखाधड़ी और आर्थिक अपराधों की गहन जांच कर अपना महत्वपूर्ण योगदान देती रही है। सीबीआई ने देश की आर्थिक प्रणाली पर लोगों का भरोसा बढ़ाया है।

सीबीआई के द्वारा जांच किए गए प्रमुख मामले

एल एन मिश्रा मर्डर केस 1975, राजीव गांधी हत्याकांड 1991, मुंबई बम ब्लास्ट केस 1993, पुरुलिया आर्म्स ड्राप केस 1995, शारदा चिट फंड घोटाला 2013, चुनाव बाद हिंसा मामला 2021, कोयला घोटाला 2012, आईसी-813 हाइजैकिंग केस 1999, सृजन घोटाला, बिहार प्रियदर्शनी मट्टू मर्डर केस, चारा घोटाला 1996, कामनवेल्थ गेम्स घोटाला 2010, टेलीकाम घोटाला 1996, हर्षद मेहता केस 1992, स्टांप पेपर स्कैम केस 2004, सत्यम स्कैम केस 2009, कैट स्कैम केस, को-आपरेटिव ग्रुप हाउसिंग स्कैम, शोपियां दुष्कर्म और हत्या मामला, बेंगलुरु हत्याकांड, असम सीरियल ब्लास्ट मामला, कोठखाई दुष्कर्म हत्या मामला, यश बैंक-डीएचएफएल लोन धोखाधड़ी मामला, एनएसई को-लोकेशन स्कैम।

सीबीआई के प्रमुख आपरेशन

सीबीआई ने वांछित भगोड़ों की भारत वापसी के लिए आपरेशन त्रिशूल , ड्रग्स संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए आपरेशन गरुड़ , साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए आपरेशन चक्र , बाल यौन शोषण को रोकने के लिए आपरेशन मेघ चक्र लॉन्च किया है। देश के 36 शहरों में फैला सीबीआई का नेटवर्क 1963 से लेकर अब तक 60 साल से सीबीआई लोगों की सेवा में लगी हुई है।

नेता जी को याद आया वादा, वोटों का सवाल है

» चुनावी वर्ष आते ही उठाए जाते हैं जनहित के मुद्दे
» सरकारें भी खोलतीं हैं खजाना
» गांव-गांव जनसंपर्क अभियान शुरू करते हैं राजनीतिक दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत एक लोकतांत्रिक देश है। यहां पर जनता ही सबसे बड़ी है। यहां पर जनता द्वारा ही नेता चुने जाते हैं। नेता संसद व अपनी राज्य विधानसभाओं के प्रति जवाबदेह होते हैं। चूकि अपने यहां चुनाव जनता के वोटों से होते हैं । जनता ही निर्णय करती है कि कौन नेता उसका नीति निर्धारक बनेगा। नेता को पांच साल बाद चुनाव में जाकर जनता से अपने लिए वोट मांगना पड़ता है। अमूमन देखने को आता है कि सत्ता पक्ष व या विपक्ष चुने जाने के बाद चार साल तो वह सत्ता के चकाचौंध में डूबा रहता है पर जैसे ही चुनावी साल करीब आता है जनता से जुड़ मुद्दों को उठाने लगता हैं कभी-कभी तो वह इतने आगे बढ़ जाते हैं कि आंदोलन तक करने लग जाते हैं। जनहित मामले कभी-कभी अदालतों में भी उठाए जाते हैं। ऐस तब होता है जब सरकारें ध्यान नही देती हैं।

कभी-कभी ऐसा लगता है कि जिस प्रकार जब तक बच्चा नहीं रोता, मां उसे दूध नहीं पिलाती, उसी प्रकार जब तक जनता में सरकारों का विरोध नहीं होता तब तक वे भी जनहित की नीतियां लागू नहीं करतीं। रही चुनावी साल की बात, तो दोबारा सत्ता में काबिज होने की कोशिश के तहत सरकार को जनहित से जुड़ी नीतियां याद आती हैं। चुनाव निकट आने के साथ ही राजनीतिक दलों का गांव-गांव जनसंपर्क अभियान शुरू हो जाता है। चुनाव के परिणामों को अपने पक्ष मे लाने के प्रयासों में सरकार की नीतियों का महिमामंडन किया जाता है। पब्लिक, सब जानती है। चुनाव के नजदीक आते ही सरकार ज्यादा सक्रिय हो जाती है। धड़ाधड़ कामों की घोषणाएं की जाती हैं। जनता इसलिए खुश हो जाती है कि काम तो हो रहे हैं। नेताओं को सबसे बड़ा लालच सत्ता का होता है। चुनावी साल में सरकारों को जनहित की नीतियां इसलिए याद आती हैं, क्योंकि फिर सत्ता हासिल करनी होती है।सत्ताधारी दल को अपनी सरकार चले जाने का भय रहता है। इसी कारण नई-नई जनहित की नीतियों की घोषणा कर पुन: सत्ता प्राप्ति के भरसक प्रयास होते हैं। वहीं जो दल सत्ता से बाहर हैं, वे सत्तासीन होने के लिए नाना प्रकार के प्रलोभन जनता को देते हैं।

चुनाव आते ही होती हैं लोक लुभावन घोषणाएं

कुछ दल चुनावी वर्ष में ही सक्रिय होते हैं। जितना के वोट हासिल करने के लिए चुनावी वर्ष में अंधाधुंध घोषणाएं की जाती हैं। सरकारें कोशिश करती हैं कि जनता गलत निर्णयों को भूल जाए। मीडिया भी सरकारों को नहीं घेरता। इसलिए सरकारें निरंकुश हो जाती हैं। नेता यह सोचते हैं कि जनता को रिझा कर पुन: सरकार बना सकते हैं, लेकिन जनता सब जानती है। 4 साल नेता कुछ नहीं करते, लेकिन जब चुनाव आते हैं तभी जनता को बहलाने की कोशिश करते हैं, ताकि वोट बटोर सकें। जनता के हाथ में ही शक्ति है। इसलिए जनता को रिझाने के लिए जनहित की नीतियां चुनावी साल में ही बनाई जाती हैं। इसका उन्हें कभी-कभी फायदा भी मिल जाता है।

अदालतों में भी पहुंचते है जनहित के मामले

उच्चतम न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई के दौरान, जनहित याचिकाओं के संदर्भ में सही कहा था, अगर इसको सही ढंग से नियंत्रित न किया गया और इसके दुरुपयोग को नहीं रोका गया, तो यह अनैतिक हाथों द्वारा प्रचार, प्रतिशोध और राजनैतिक स्वार्थ सिद्धि का हथियार बन सकता है। जनहित की आड़ में आधारहीन याचिकाओं की निरंतर बढ़ती बाढ़ का भयावह खतरा, अदालतों के सिर पर मंडरा रहा है। विशेषकर तब, जब वर्षों से लंबित विचाराधीन मुक़दमे बढ़ते जा रहे हैं, जो एक बड़ी चुनौती भी है और गंभीर चेतावनी भी। दरअसल 1979-80 के आसपास विचाराधीन क़ैदियों, लावारिस बच्चों, वेश्याओं, बाल मज़दूरों और पर्यावरण के मुद्दों पर तमाम लोगों ने जनहित याचिकाएं दायर कीं। अदालत ने भी जनहित याचिकाओं की अनिवार्यता को समझा। न्याय व्यवस्था में आम लोगों के बढ़ते आक्रोश को शांत करने के लिए, यह ज़रूरी भी था और मजबूरी भी। हालांकि इससे सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक न्याय के लक्ष्य आधे-अधूरे ही रहे। शोषितों की आंख के आंसू कम नहीं हुए और राष्ट्रीय स्तर पर विषमता की खाई, लगातार चौड़ी और गहरी होती रही। सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति ए.के. माथुर और मार्कंडेय काटजू ने एक मामले का फ़ैसला सुनाते समय, अपनी नाराज़गी ज़ाहिर करते हुए लिखा, भारत में मौजूदा न्यायिक हालात से जनता बेहद क्षुब्ध है। मुक़दमों में होने वाली ज़रूरत से अधिक देरी के कारण, न्याय व्यवस्था में उसकी आस्था तेज़ी से घट रही है. हम संबंधित अधिकारियों से आग्रह करते हैं कि अगर न्यायपालिका में नागरिकों का विश्वास बनाए-बचाए रखना है, तो तुरंत आवश्यक कार्यवाही करें ताकि मामलों को गति से निपटाया जा सके।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

हिंसा पर न हो सियासत

देश के कई हिस्सों में हिंसा देखने को मिली है। जो पूरे एक हफ्ते बाद भी शांत नहीं हुई है। हालांकि उसको रोकने के लिए पूरी कोशिश की जा रही है। पर दुख इस बात है कि उस पर सियासत भी पूरे जोरों पर है जो सवर्था अनुचित है। राजनैतिक दल अपने-अपने लाभ के हिसाब से इन घटनाओं का इस्तेमाल कर रहे जो गलत परम्परा है। नेताओं को कुछ वोटों के फायदे जो हो जाएंगे पर देश का नुकसान हो जाएगा। जो भाईचारा इतनी मजबूती से बना है वह टूट जाएगा और मानवता का नुकसान हो जाएगा। इसलिए सभी को ऐसी घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए एकजुट होकर देश सेवा में जुटना चाहिए। मलाड से लेकर हावड़ा, नालंदा-ससाराम से लेकर वडोदरा तक में दो संप्रदायों के बीच हो रही इस हिंसा क्या दर्शाती है। यह साफ तौर पर समाज के बंटने का संकेत हैं। इन घटनाओं को महज स्थानीय घटना नहीं माना जा सकता है। रामनवमी के मौके पर देश के अलग-अलग हिस्सों में जिस तरह की हिंसा देखने को मिली, वह कई लिहाज से चिंताजनक और निंदनीय है। दो दिनों के अंतराल में देश के छह राज्यों के अलग-अलग शहरों में दो संप्रदायों के लोगों के बीच पथराव, मारपीट, आगजनी जैसी घटनाएं हुईं।

महाराष्ट्र के मालाड (मुंबई), जलगांव और संभाजीनगर (औरंगाबाद), पश्चिम बंगाल के हावड़ा और डालखोला, बिहार के सासाराम और नालंदा, उत्तर प्रदेश के लखनऊ, हरियाणा के सोनीपत, गुजरात के वड़ोदरा और कर्नाटक के हासन में हुईं इन घटनाओं को लेकर पुलिस, प्रशासन, स्थानीय संगठनों और राजनीतिक दलों के अलग-अलग स्पष्टीकरण भी आ रहे हैं। लेकिन कुल मिलाकर ये सब जिस एक तथ्य को रेखांकित कर रहे हैं वह यह है कि इन्हें महज स्थानीय घटनाओं के रूप में नहीं लिया जा सकता, न ही किसी संयोग का परिणाम माना जा सकता है। ध्यान रहे, पर्व-त्योहार के मौके पर देश के कुछ हिस्सों में तनाव बन जाना या छिटपुट हिंसा की भी खबरें आना कोई नई बात नहीं है। लेकिन ऐसी घटनाएं हमेशा अपवाद के रूप में रही हैं। आम तौर पर हमारे सभी पर्व-त्योहार शांतिपूर्वक और मिल-जुलकर ही मनाए जाते रहे हैं। गौर करने की बात यह है कि पिछले कुछ समय से इस स्थिति में जबर्दस्त बदलाव देखने में आ रहा है। पिछले साल रामनवमी 10 अप्रैल को पड़ी थी। तब भी छह राज्यों- गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और गोवा- में हिंसा, पथराव की घटनाएं दर्ज की गई थीं। यही नहीं, इसके कुछ ही दिन बाद हनुमान जयंती के मौके पर दस राज्यों से हिंसा की खबरें कई दिनों तक आती रही थीं। जाहिर है, पर्व-त्योहार पर सांप्रदायिक हिंसा और तनाव अपने देश में नया ट्रेंड बनता जा रहा है। जो सही नही है।

एक स्तर पर निश्चित रूप से यह कानून व्यवस्था की भी समस्या है। पुलिस और प्रशासन की नाकामी इसका एक अहम पक्ष है। लेकिन बात उतने तक सीमित नहीं है। समस्या का ज्यादा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि हमारे समाज की समरसता में, मिल-जुलकर प्यार से रहने की भावना में निरंतर कमी आ रही है। यह बात हमेशा हिंसा के ही रूप में प्रकट नहीं होती, अक्सर ऐसी प्रवृत्ति के रूप में दिखती है जो शांति भंग न करते हुए भी समाज के अलग-अलग हिस्सों में दूरी बढ़ाने का काम करती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

धान रोपाई का विकल्प अपनाने की जरूरत

डॉ. वीरेन्द्र सिंह लाठर

दुनियाभर में जल बचाने की कोशिशें जारी हैं। जल संरक्षण एक नागरिक के तौर पर भी हमारा दायित्व है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51ए (7) के मुताबिक, हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है- वनों, झीलों, नदियों, भूजल और वन्य जीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना। केन्द्रीय भूजल बोर्ड व जल आयोग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश की खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण सघन कृषि क्षेत्र वाले पंजाब- हरियाणा में पिछले 50 वर्षों से लगातार धान-गेहूं फसल चक्र अपनाने के कारण भूजल स्तर आधा मीटर प्रतिवर्ष गिरा है। इन राज्यों के आधे से ज्यादा ब्लॉक गंभीर भूजल संकट में आ चुके हैं जिसे रोकने के लिए, इन राज्यों ने 2009 में 'हरियाणा और पंजाब पिजर्वेशन आफ सबसॉयल वाटर एक्ट' बनाये, जिसमें 15 जून से पहले धान की रोपाई पर प्रतिबंध लगाया गया। लेकिन प्रयास निरर्थक साबित हुए हैं।

वर्ष 1970 तक उत्तर भारत में शिवालिक हिमालय के साथ लगते मैदानी खादर व तराई क्षेत्रों में भूजल भूमि सतह के बिलकुल नजदीक था। लेकिन हरित क्रांति दौर की सघन कृषि तकनीक विशेष तौर पर रोपाई, धान, औद्योगीकरण और शहरीकरण आदि से भूजल का अंधाधुंध दोहन होने से गंभीर भूजल संकट बनता जा रहा है। आदिकाल से अनाज, दलहन, तिलहन आदि सभी फसलों की खेती के लिए, बत्तर खेत को तैयार करके बीज की सीधी बुआई प्रचलित तकनीक रही है। वर्ष 1966 से पहले, संयुक्त पंजाब समेत उत्तर भारत में किसान सीधी बुआई से धान की खेती करते थे। तब धान का क्षेत्र कम होने व सस्ते मजदूर मिलने के चलते निराई-गुड़ाई से खरपतवार नियंत्रण किया जाता था। लेकिन सरकार ने हरित क्रांति दौर में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए धान की उन्नत बौनी किस्मों के साथ, भूजल बर्बादी वाली खड़े पानी वाली धान रोपाई तकनीक आयात करके उत्तर भारतीय किसानों पर थोप दी। जिससे धान की पैदावार तो जरूर बढ़ी, लेकिन खेती लागत में कई गुणा बढ़ोतरी और भूजल की भयंकर बर्बादी हुई, जिससे बड़ा इलाका भूजल डार्क ज़ोन में चला गया।

इस भयंकर भूजल बर्बादी को रोकने के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने इस सदी की शुरुआत में, सूखे खेत में धान की सीधी बुआई तकनीक को प्रसारित किया जिसे किसानों ने नकार दिया। क्योंकि इस पद्धति में सिंचाई पानी की बचत नहीं होने, बुआई के तुरंत बाद सिंचाई और फिर हर 3 दिन बाद

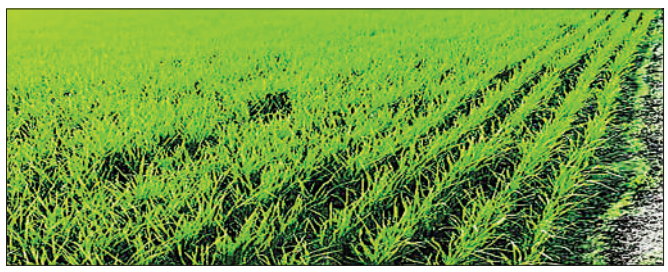

सिंचाई करने से फसल में खरपतवार बहुत हो गयी जिससे किसान परेशान हो गए। दूसरी ओर सरकार ने तकनीकी तौर पर कई कथित अव्यावहारिक योजनाओं से किसानों को भ्रमित किया। विश्व खाद्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार 150 दिन की धान फसल को मात्र 500-700 मि.ली. सिंचाई जल की आवश्यकता होती है। जिसमें आधे से ज्यादा सिंचाई जल की पूर्ति मानसून वर्षा करती है। लेकिन हरित क्रांति दौर में सरकार द्वारा अनुशंसित भूजल बर्बादी वाली रोपाई धान तकनीक में 1500-2000 मि.ली. सिंचाई जल की जरूरत होती है, जिससे लागत में बढ़ोतरी और ऊर्जा-भूजल की भारी बर्बादी हुई। जिसे रोकने के लिए, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान-क्षेत्रीय केन्द्र करनाल की टीम ने 2014-15 में तर-वत्तर सीधी बिजाई धान तकनीक को विकसित करके किसानों में प्रसारित किया, जिससे खरपतवार नियंत्रण आसान हुआ और पैदावार रोपाई वाले धान के बराबर ही मिलने लगी। जिसके असर से कोरोना आपदा काल 2021 में, प्रवासी मजदूरों की भारी कमी से पंजाब में किसानों ने लगभग 6 लाख हेक्टेयर यानी कुल धान क्षेत्र के 20 प्रतिशत क्षेत्र पर तर-वत्तर सीधी बुआई तकनीक से धान फसल सफलता से उगाई और प्रदेश में रिकार्ड 12.78 मिलियन टन धान का उत्पादन हुआ। इसी तरह हरियाणा के मुख्यमंत्री द्वारा 1 अप्रैल, 2023 को दी गई जानकारी के अनुसार, खरीफ-2022 में हरियाणा में किसानों ने 72,000 एकड़ से ज्यादा भूमि पर सीधी बिजाई धान तकनीक को अपनाकर 31,500 करोड़ लीटर यानी लगभग 40 लाख लीटर एकड़ भूजल की बचत की। जिसके लिए सरकार ने लगभग 30 करोड़ रुपये प्रोत्साहन राशि किसानों को बांटी।

अब हरियाणा सरकार द्वारा भूजल संरक्षण के इन प्रयासों को गति देने के लिए भूजल बर्बादी वाली रोपाई धान पर प्रतिबंध लगाकर, सीधी बिजाई धान पद्धति को 7,000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन देना चाहिए! जिससे 40 लाख लीटर प्रति एकड़ भूजल के साथ ऊर्जा (बिजली और डीजल) की भारी बचत होगी। तर-वत्तर सीधी बिजाई धान पद्धति में खेत में पानी टिकाने की ज़रूरत नहीं होने से रोपाई धान के मुकाबले लगभग 40 प्रतिशत भूजल की बचत होती है। इन कम अवधि किस्मों की कटाई मध्य सितंबर तक हो जाने से फसल अवशेष प्रबंधन में आसानी होगी , वायु प्रदूषण रोकने में मदद मिलेगी।

भाषा और गणित में कमजोर हो रहे बच्चे

चेतनादित्य आलोक

आंकड़ों के अनुसार देशभर में कक्षा तीन के बच्चे विशेष रूप से गणित, अंग्रेजी एवं हिंदी में औसत से भी कमजोर साबित हुए हैं, जो कि देश के भविष्य के लिए अत्यंत ही चिंताजनक बात है। फाउंडेशन लिटरेसी सर्वे (एफएलएस) शीर्षक के अंतर्गत कराये गये उक्त सर्वे की रिपोर्ट बताती है कि देशभर के विद्यालयों में कक्षा तीन में पढ़ने वाले मात्र 54 प्रतिशत बच्चे ही अंग्रेजी में निपुण हैं, लेकिन दुःख की बात तो यह है कि महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के इस देश में गणित जैसे रोचक और महत्वपूर्ण विषय में देश के मात्र 52 प्रतिशत बच्चे ही निपुण हैं।

मानव जीवन में शिक्षा का बड़ा महत्व होता है। दरअसल, बेहतर व्यक्तियों के निर्माण तथा उज्ज्वल करिअर के लिए सर्वथा उचित शिक्षा की आवश्यकता होती है। वैसे आजादी के बाद से ही हमारी शिक्षा प्रणाली में कई बदलाव किये गये, लेकिन हाल ही में एक सर्वे से प्राप्त आंकड़ों एवं जानकारियों से पता चलता है कि उद्देश्यगत बेहतरी के लिए शिक्षा के क्षेत्र में अब तक किये गये तमाम प्रयास अपर्याप्त रहे हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् यानी एनसीईआरटी तथा भारत सरकार के स्कूली शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में एक सर्वे किया गया।

आंकड़ों के अनुसार देशभर में कक्षा तीन के बच्चे विशेष रूप से गणित, अंग्रेजी एवं हिंदी में औसत से भी कमजोर साबित हुए हैं, जो कि देश के भविष्य के लिए अत्यंत ही चिंताजनक बात है। फाउंडेशन लिटरेसी सर्वे (एफएलएस) शीर्षक के अंतर्गत कराये गये उक्त सर्वे की रिपोर्ट बताती है कि देशभर के विद्यालयों में कक्षा तीन में पढ़ने वाले मात्र 54 प्रतिशत बच्चे ही अंग्रेजी में निपुण हैं, लेकिन दुःख की बात तो यह है कि महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के इस देश में गणित जैसे रोचक और महत्वपूर्ण विषय में देश के मात्र 52 प्रतिशत बच्चे ही निपुण हैं। वहीं इस सर्वे में देश के शिक्षा जगत का सर्वाधिक दुर्भाग्यपूर्ण और स्याह सच जो उजागर हुआ है, वह यह कि हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी में राष्ट्रीय औसत में मात्र 46 प्रतिशत बच्चे ही देशभर में निपुण पाये गये। केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में 'नेशनल इनीशिएटिव फॉर प्रोफिशिएंसी इन रीडिंग विद अंडरस्टैंडिंग एण्ड न्यूमैरेसी' यानी 'निपुण भारत 2021' नामक उक्त सर्वे कराया गया, जिसका उद्देश्य गणित तथा भाषा यानी अंग्रेजी और हिंदी विषयों में मेधा और क्षमता के आधार पर बच्चों की वर्तमान स्थिति का पता लगाना था। दरअसल, मोदी सरकार ने 2026-27 तक देशभर में कक्षा तीन के बच्चों को भाषा एवं गणित विषयों में बुनियादी रूप से मजबूत बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

जिसके लिए मार्च, 2022 के दौरान देशभर के सभी राज्यों में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से आयोजित उक्त सर्वे में 10 हजार विद्यालयों के कक्षा तीन में पढ़ाई करने वाले कुल 86 हजार बच्चों को शामिल किया गया था। उक्त सर्वे के अनुसार हिंदी विषय में बिहार और उत्तर प्रदेश के केवल 45 प्रतिशत बच्चे, जबकि दिल्ली के 50 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल के 75 प्रतिशत बच्चे पढ़ने-बोलने में निपुण पाये गये। वहीं अंग्रेजी भाषा में उत्तराखंड के सर्वाधिक 77 प्रतिशत बच्चे निपुण पाये गये, जबकि बिहार के 74 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल के 71, दिल्ली के 66 प्रतिशत बच्चे एवं केरल के 62 प्रतिशत बच्चे इस भाषा में निपुण थे। गौरतलब है कि अंग्रेजी में राष्ट्रीय औसत 54 प्रतिशत है। सर्वे में गणित के क्षेत्र में प्राप्त परिणाम के अनुसार सर्वाधिक पश्चिम बंगाल के 70 प्रतिशत बच्चे संख्याओं को पहचानने के अतिरिक्त जो ?, घटाव, गुणा और भाग में भी निपुण पाये गये, जबकि गणित विषय के राष्ट्रीय औसत 52 प्रतिशत की तुलना में दूसरे स्थान पर बिहार के 66 प्रतिशत बच्चे, तीसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश के 62, चौथे स्थान पर उत्तराखंड के 59, पांचवें स्थान पर तमिलनाडु के 56 प्रतिशत बच्चे रहे। वहीं गणित विषय में देशभर में छठे स्थान पर केरल के 55 और सातवें स्थान पर दिल्ली के महज 45 प्रतिशत विद्यार्थी ही निपुण पाये गये। इसी प्रकार महाराष्ट्र में गणित विषय के प्रश्नों को हल करने में 52 प्रतिशत, अंग्रेजी में 56, मराठी में 57 और हिंदी पढ़ने-बोलने में महज 37 प्रतिशत बच्चों ने अपनी निपुणता साबित की, जबकि गोवा के 53 प्रतिशत बच्चे अंग्रेजी में, 40 प्रतिशत मराठी और 35 प्रतिशत बच्चे गणित में निपुण पाये गये। भाषा और गणित के क्षेत्र में बच्चों की ये स्थिति देख-जानकर देश के भविष्य को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है। वैसे गौर से देखा जाये तो हिंदी समेत अन्य भारतीय भाषाओं एवं शिक्षा के प्रति अब तक बरती गयीं लापरवाहियां, उपेक्षा के भाव, अज्ञानता एवं संकल्प का अभाव आदि इस समस्या के मूल कारण रहे हैं। दरअसल, हमारे बच्चों की शिक्षा-दीक्षा उनकी अपनी मातृभाषा में नहीं होने के कारण हमारे बच्चे गणित समेत अन्य तमाम विषयों में भी लगातार पिछड़ते चले जाते हैं, जबकि शिक्षा के क्षेत्र में विकास एवं नवाचार की बातें हम दशकों से सुनते आ रहे हैं।

ऐसे ही राष्ट्रभाषा हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के उन्नयन तथा उनको अपेक्षित स्थान और सम्मान देने-दिलाने के नाम पर देशभर में प्राय: प्रत्येक वर्ष तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। पर हम विद्यालयों के लिए हिंदी तथा गणित के अच्छे शिक्षक नहीं तैयार कर पाये, जबकि महज सौ लाख की आबादी वाले देश स्वीडन और इसके ही जैसे नौर्वे, डेनमार्क एवं फिनलैंड आदि देशों में सारी शिक्षा उन देशों की अपनी ही भाषाओं में देने की व्यवस्था है। बहरहाल, केंद्र की मोदी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में बड़े सुधारों के माध्यम से बच्चों को भाषा एवं गणित विषयों में बुनियादी रूप से मजबूत बनाने का जो लक्ष्य लेकर चल रही है, वह एक सराहनीय कदम है।

नींद की समस्या से हैं परेशान तो सोने से पहले करें ये

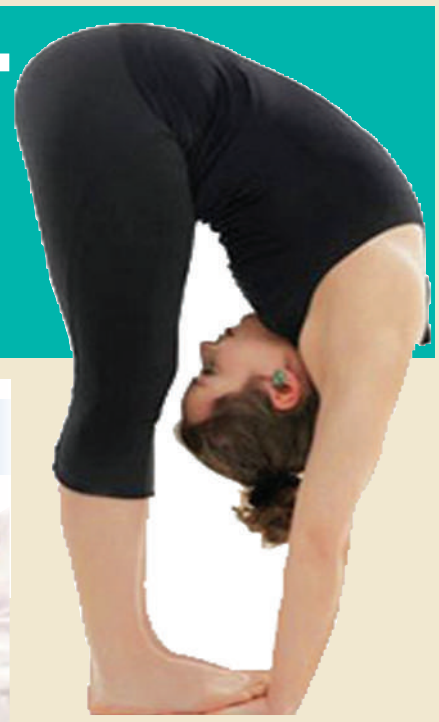

योगासन

आधुनिक युग में लोगों को लिए समय पर सोना और जगना मुश्किल हो गया है। अधिकतर लोगों की ये समस्या होती है कि दिनभर काम के बाद थके होने के बाद भी उन्हें रात में नींद नहीं आती और सोने में रोज रात को देर हो जाती है। लगभग युवाओं से लेकर बड़ी उम्र के लोगों के बीच ये समस्या आम हो गई है। नींद आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी होती है। ऐसे में अगर आप एक अच्छी नींद नहीं लेते तो शरीर और मस्तिष्क पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। लोग नींद के लिए दवाएं तक खाते हैं। इस तरह की दवाओं से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। आपकी लाइफस्टाइल में टाइम टेबल बिगड़ने से नींद की समस्या हो सकती है। नींद की समस्या से अगर आप भी परेशान हैं और दिन भर के काम के बाद भी रात में सो नहीं पाते हैं तो योगासन करें। सोने से पहले मात्र 15 मिनट आप योगासन करके नींद की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। इससे आपके दिमाग के स्लीपिंग हार्मोन भी बढ़ जाते हैं।

उत्तानासन

इस आसन को नियमित करने से आपको जल्द नींद पर फर्क दिखने लगेगा। उत्तानासन करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं। दोनों हाथों को लंबी सांस लेते हुए ऊपर की ओर ले जाते हुए सांस छोड़ें और फिर हाथों को नीचे जमीन की ओर ले जाएं। इस दौरान पैरों के अंगूठे को छूने की कोशिश करें।

शवासन

इस आसन से आपकी तंत्रिका तंत्र शांत होती है और सभी थकी हुई मांसपेशियों व कंधों को आराम मिलता है। शवासन करने के लिए पीठ के बल लेटकर दोनों पैरों के बीच एक फीट की दूरी पर फैला लें। अब पैरों के पंजे की तरफ शरीर को ढीला छोड़ते हुए आराम से सांस लें और पूरा शरीर ढीला छोड़ दें।

रात में नींद नहीं आने की ये समस्या लगभग युवाओं से लेकर बड़ी उम्र के लोगों के बीच आम हो गई है।

बालासन

इस आसन से आपका दिमाग शांत होता है। इसे करने के लिए मैट पर वज्रासन पोज में बैठ जाएं। सांस को अंदर लेते हुए दोनों हाथों को सीधा सिर के ऊपर ले जाएं। अब सांस बाहर छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें। इस दौरान हथेलियों और सिर को जमीन पर टिका लें। फिर सांस अंदर लेते और छोड़ते हुए उंगलियों को आपस में जोड़ते हुए सिर को दोनों हथेलियों के बीच में धीरे से रखें।

शलभासन

इस आसन को करने के लिए पेट के बल लेट कर दोनों हथेलियों को जांघों के नीचे रखें। अब दोनों पैर की एड़ियों को आपस में जोड़करपंजे को सीधे रखें। धीरे-धीरे पैरों को ऊपर उठाने की कोशिश करें। गहरी सांस लें इसी अवस्था में कुछ देर रहें।

हंसना मना है

संडे को होली खेलते पप्पू से उसके दोस्त ने पूछा... गप्पू-यार, आज तो संडे है...फिर आज क्यों होली खेल रहा है... पप्पू-कल ही मैनें डिक्शनरी में पढ़ा है... संडे का मतबल होलीडे होता है।

एक बिहारी को यमलोक ले जाते समय यमराज बोले... यमराज-वत्स! तुम कहां जाना चाहते हो...स्वर्ग या नर्क? बिहारी -महाराज! मोबाइल और चार्जर तो लेना ही भूल गया... दोनों की व्यवस्था करा दो, फिर, किसी भी खोपचे में रह लूंगा...

जीजा साली के साथ चैटिंग कर रहा था! जीजा: साली जी आप तो अपनी बहन से भी सुंदर हो, साली: जीजा जी आप बड़े वो हैं..! जीजा: अच्छा यह बताओ तुम इतनी सुंदर कैसे हो, आखिर क्या इस्तेमाल करती हो? साली: फोटोशॉप...! जीजा जी हो गए बेहोश..!!

पिंटू ने कंडक्टर से पूछा: आप कितने घंटे बस में रहते हो? कंडक्टर: जी 24 घंटे। पिंटू: वो कैसे? कंडक्टर: देखिए, 8 घंटे तो सिटी बस में रहता हूं और बाकी के 16 घंटे बीवी के बस में रहता हूं।

कहानी | शिक्षा पर विचार

स्वामी विवेकानंद जी का आदर्शों से भरा जीवन हम सभी को प्रेरणा देता है। उनके उच्च विचार न केवल हमारे जीवन में नई ऊर्जा का संचार करते हैं साथ ही हमारा मार्गदर्शन भी करते हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए हमें उनके शिक्षा संबंधी विचार बहुत याद आते हैं। स्वामी जी मानते थे कि सही शिक्षा के अभाव के कारण ही हमारा देश अभी तक पूर्ण विकसित नहीं हो पाया है। स्वामीजी चाहते थे कि शिक्षा प्रणाली ऐसी हो जो युवाओं के चरित्र का निर्माण करे, उनको जीवन संघर्ष के लिए तैयार करे। उनका मानना था कि सिर्फ किताबें पढ़ना शिक्षा नहीं है, बल्कि उनसे ज्ञान प्राप्त करना और उस ज्ञान का प्रयोग जीवन में करना वास्तविक शिक्षा है। स्वामी जी के मत अनुसार वर्तमान शिक्षा प्रणाली से सिर्फ मजदूर तैयार हो रहें हैं, जबकि वे चाहते थे कि शिक्षा ऐसी हो जिससे बच्चे आत्मनिर्भर बने और कमाई के साधन स्वयं तैयार करें। स्वामी जी युवओं में अनंत साहस और शक्ति का संचार करना चाहते थे। उनका मानना था कि बेहतर समाज के निर्माण के लिए युवाओं का सही मार्गदर्शन जरूरी है। इसीलिए उन्होंने शिक्षा को बहुत महत्व दिया। उनका मत था कि हर बालक में कुछ न कुछ संभावनाएं अवश्य होती हैं, जरूरत है तो बस उसे पहचानने की और विकसित करने की। जिससे एक निडर, साहसी और आत्मनिर्भर चरित्रवान युवा का निर्माण हो सके। ऐसे में जब देश का युवा शक्तिशाली और बलवान होगा तो अपने आप ही विकासशील और आत्मनिर्भर देश का निर्माण होगा। इसीलिए स्वामी जी का मानना था कि वास्तविक शिक्षा वो है जो व्यक्ति की क्षमताओं को अभिव्यक्त कर उसे कामयाब बनाती है।

कहानी से सीख: तो इस प्रकार स्वामी जी के शिक्षा सम्बंधी विचार ने हमें बताया कि हमारा असल ज्ञान वो है जो हमें जीवन में सफल और स्वतंत्र बनाए, न कि वो जो हमें गुलामी की ओर ले जाए। ये वास्तविक ज्ञान हम में ही मौजूद होता है। बस उसे पहचान कर विकसित करने की जरूरत है।

7 अंतर खोजें

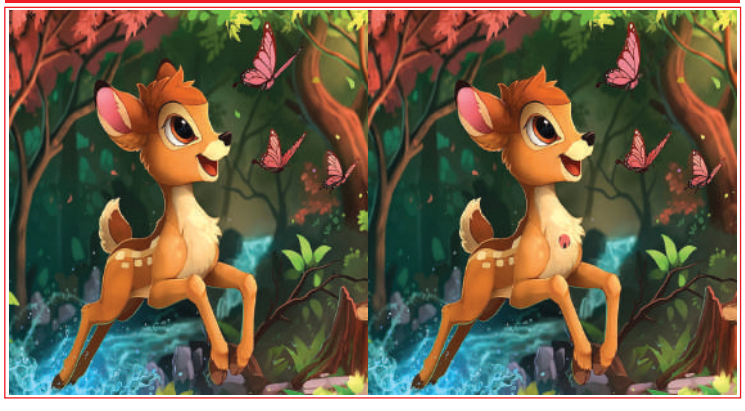

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आपको प्रेम संबंध में खुशहाली हो सकती है या किसी नए रिश्ते की शुरुआत हो सकती है। विद्यार्थी वर्ग परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त करेगा।

वृषभ — आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। दोपहर तक स्थितियां थोड़ी खराब कही जा सकती हैं लेकिन उसके बाद सब कुछ अच्छा होगा। प्रेम जीवन भी बढ़िया रहेगा।

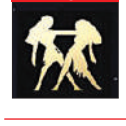

मिथुन — आज आपका कोई जरूरी काम पूरा हो सकता है। आज आप कोई बिजनेस करने का मन बनायेंगे। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन राहतपूर्ण रहने वाला है।

कर्क — आज आपके कार्यस्थल पर काफी अधिक कार्य का दबाव आप लोगों को काफी तनाव दे सकता है। परिवार के बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में कुछ चीजें रोमांचक रहेंगी।

सिंह — आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। यात्रा पर जाने से बचना चाहिए। परिवार को समय दें और उसके साथ वक्त बिताना आपको अच्छा लगेगा।

कन्या — आज अधिकारियों से खास मामलों पर फोन पर बातचीत होगी। इस राशि के इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे।

तुला — आज किसी को उपहार देना चाहते हैं तो मनोकामना अवश्य पूर्ण होगी। आज विद्यार्थियों को सामान्य सफलता के लिए भी थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

वृश्चिक — आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा लेकिन फिर भी किसी बात को लेकर आप अंदर से डरे हुए रहेंगे या किसी बात का भय आपको परेशान करेगा।

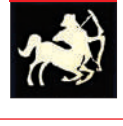

धनु — आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपको किसी कानूनी मामले में कुछ खास लोगों से मदद मिल सकती है। परिवार में सबकी इच्छा पूरी करने में आप सफल होंगे।

मकर — आज आत्मविश्वास चरम पर रहेगा और आप कई महत्वपूर्ण फैसले लेंगे। सिरदर्द और माइग्रेन आपको परेशान कर सकता है। किसी अनुभवी या जानकार व्यक्ति से परामर्श करें।

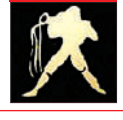

कुम्भ — आपके लिए आज का दिन कमजोर रहेगा।भविष्य की किसी लंबी योजना पर विचार विमर्श करेंगे और कहीं दूर जाने की यात्रा की प्लानिंग भी कर सकते हैं।

मीन — शाम तक कोई शुभ समाचार मिलने से घर में अच्छा माहौल बन जायेगा। इस राशि के नवविवाहित जातकों का दिन खुशियों भरा रहेगा। करियर में आपको सफलता मिलेगी।

बॉलीवुड | बाक्स ऑफिस

मंडे टेस्ट में फेल रही 'भोला'

मि स्टर भरोसेमंद के रूप में मशहूर रहे अभिनेता अजय देवगन को अपने फैंस से मिला नया तमगा 'मास महाराजा' टिकट खिड़की पर कमाल नहीं दिखा पाया है। बीते गुरुवार को रिलीज हुई उनकी नई फिल्म 'भोला' के अपनी रिलीज के सातवें दिन सवा चार करोड़ रुपये से साढ़े चार करोड़ रुपये के बीच कारोबार करने के आसार शुरुआती रुझानों से दिख रहे हैं और गुरुवार को भी अगर फिल्म अपना यही प्रदर्शन दोहराने में कामयाब हो जाए तो भी ये फिल्म अजय देवगन की अब तक रिलीज फिल्मों में पहले हफ्ते में सबसे बढ़िया प्रदर्शन करने वाली टॉप 10 फिल्मों में अपनी जगह बनाने से चूक जाएगी। 30 मार्च को रिलीज हुई फिल्म 'भोला' ने रिलीज के पहले ही दिन उम्मीद से कहीं कम सिर्फ 11.20 करोड़ रुपये की कमाई की। फिल्म का कलेक्शन दूसरे दिन एकदम से डगमगाया और ये गिरकर 7.40 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। फिल्म ने शनिवार को खुद को संभाला और टिकट खिड़की पर फिल्म की पहले शनिवार को कमाई 12.20 करोड़ रुपये रही। संडे की एडवांस बुकिंग करा चुके लोगों और फिल्म के सोशल मीडिया प्रचार ने इसकी कमाई रविवार को 13.48 करोड़ रुपये तक पहुंचा दी। फिल्म का पहले वीकएंड का कलेक्शन इस तरह से 44.28 करोड़ रुपये ही हो पाया। रिलीज के पहले सोमवार को फिल्म 'भोला' अपने पहले मंडे टेस्ट में बुरी तरह फेल रही। सोमवार को फिल्म का कलेक्शन 66 फीसदी गिरकर सिर्फ 4.50 करोड़ रुपये ही पाया। मंगलवार को फिल्म का कलेक्शन 4.80 करोड़ रुपये रहा और बुधवार की दोपहर बाद तक के शोज की बुकिंग के रुझान बताते हैं कि ये फिल्म सातवें दिन करीब सवा चार करोड़ रुपये कमा लेगी। अगर फिल्म अपना यही प्रदर्शन गुरुवार को भी बरकरार रख पाई तो भी फिल्म 'भोला' पहले हफ्ते में करीब 62 करोड़ रुपये कमाकर अजय देवगन की अब तक रिलीज हुई फिल्मों में 12वें या 13वें नंबर तक ही पहुंच पाएगी। रिलीज के पहले हफ्ते में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली अजय देवगन की फिल्म अब तक 'गोलमाल अगेन' रही है जिसने साल 2017 में 136.07 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इस फिल्म का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल कारोबार हालांकि 205.69 करोड़ रुपये ही रहा था।

ऋतिक और जूनियर एनटीआर के बीच होगा वॉर

स्पाई थ्रिलर यूनिवर्स में धमाकेदार एंट्री

ऋ तिक रोशन इन दिनों वॉर 2 को लेकर लगातार चर्चा में हैं। यशराज बैनर तले बनी साल 2019 में रिलीज ऋतिक और टाइगर स्टारर वॉर-2 ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़े थे। जब से इसके सेकंड पार्ट की घोषणा हुई है, तब से ही फैंस में स्पाई थ्रिलर फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। हाल ही में खबर आई थी कि वॉर 2 को सिद्धार्थ आनंद नहीं, बल्कि अयान मुखर्जी डायरेक्ट करेंगे। अब हालिया रिपोर्ट्स की मानें तो ऋतिक रोशन की इस फिल्म में आरआरआर स्टार जूनियर एनटीआर की भी एंट्री हो गई है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट्स की मानें तो यशराज बैनर अब नॉर्थ के साउथ मार्किट में भी अपनी पकड़ मजबूत बनाने की पूरी तैयारी कर चुका है। उनकी फिल्म पठान को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता मिली। जूनियर एनटीआर जो साउथ सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं, उन्हें वॉर-2 में कास्ट करने से प्रोडक्शन हाउस को एक बड़ा फायदा हो सकता है। रिपोर्ट्स की मानें तो स्पाई थ्रिलर यूनिवर्स के लिए मशहूर यशराज की वॉर 2 में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के बीच जबरदस्त एक्शन देखने को मिल सकता है। ये फिल्म एक एक्शन एडवंचर है, जिसमें जूनियर एनटीआर औरऋतिक रोशन के बीच बड़ी स्क्रीन पर दुश्मनी देखना फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगा। स्पाई थ्रिलर फिल्म वॉर-2 को लेकर जूनियर एनटीआर संग लगभग बातचीत हो चुकी है और उनका किरदार भी फिल्म के लिए डिसाइड हो चुका है। रिपोर्ट्स की मानें तो ब्रह्मास्त्र की सफलता को देखते हुए मेकर्स ने अयान मुखर्जी से फिल्म का निर्देशन करवाने का फैसला किया है। वॉर में ऋतिक रोशन ने कबीर का किरदार निभाया था और इसके सीक्वल में भी वह अपने इसी किरदार को कंटिन्यू करेंगे। इसी के साथ फिल्म में सलमान खान की टाइगर-3 के आगे की कहानी को दिखाया जाएगा।

मलाइका फिर से बनेंगी दुल्हन

अर्जुन कपूर से शादी पर भर दी हामी

अ र्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड के चर्चित कपल में से एक हैं। अब आखिरकार मलाइका अरोड़ा ने दूसरी शादी करने पर चुप्पी तोड़ ही दी है। उन्होंने अर्जुन कपूर संग शादी पर हामी भरी है। उन्होंने कहा कि वह शादी के लिए तैयार है। आइए बताते हैं बॉयफ्रेंड की तारीफ में क्या कुछ उन्होंने बताया। टेलीविजन पर्सनैलिटी मलाइका अरोड़ा सालों बाद म्यूजिक एलबम में नजर आई हैं। उन्होंने गुरु रंधावा के गाने तेरे ख्याला को हां कह दिया। अब ये गाना रिलीज हो चुका है जिसे ठीक ठाक रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस बीच मलाइका अरोड़ा ने प्रचार प्रसार के दौरान अपनी शादी पर भी चुप्पी तोड़ी है। मलाइका अरोड़ा ने जवाब दिया है कि वह शादी के लिए तैयार हैं। बता दें अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों के अफेयर को कई साल हो चुके हैं। अक्सर दोनों साथ में नजर आते हैं तो खुलेआम अपने इश्क पर चर्चा भी करते हैं। अब प्रमोशन के दौरान मलाइका ने अर्जुन कपूर संग शादी पर चुप्पी तोड़ी है। मलाइका अरोड़ा ने ब्राइड्स टुडे को दिए इंटरव्यू में कहा कि हां हम शादी के बारे में सोचते हैं। कुछ लोग तो हमें स्वार्थी भी समझते हैं लेकिन ये एक दूसरे के प्रति प्यार है। मैं परंपराओं और इंस्टीट्यूशन में यकीन रखती हूं। मलाइका अरोड़ा ने शादी और प्यार के बारे में बात करते हुए आगे कहा कि मैं प्यार और सौहार्द दोनों में विश्वास रखती हूं। मैं ये तो नहीं कह सकती कि मैं कब शादी करूंगी। क्योंकि मेरा मानना है कि लाइफ के बारे में ज्यादा प्लानिंग नहीं करनी चाहिए। लाइफ के बारे में ज्यादा प्लानिंग करना जिंदगी के मजे को किरकिरा कर देता है। खुद से 11 साल छोटे अर्जुन कपूर को डेट करने पर मलाइका ने कहा कि वह अपनी उम्र को लेकर काफी वाइस हैं। वह काफी कूल और स्ट्रॉन्ग ख्यालों के इंसान हैं।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | 20 साल पहले उबले अंडे की बदली सूरत

कीमती पत्थर जैसा हुआ हुलिया!

अंडा उबालकर खाना तो सभी को पसंद होता है। कई लोग उसका ऑमलेट बना लेते हैं, भुर्जी बना लेते हैं और जितने भी तरह की डिशेज अंडे से बन पाती हैं उन्हें बना लिया जाता है लेकि उबले हुए अंडे की बात ही कुछ अलग है। पर क्या आपने कभी सोचा है कि अगर उबले हुए अंडे को खाया न जाए, बस संरक्षित कर के रख लिया जाए तो क्या होगा? इस बात का पता हाल ही एक खबर से पता चलता है। एक चीनी महिला ने सालों तक अंडे को संरक्षित कर के रखा, मगर अब उसका लुक ऐसा हो गया कि वो देखने में अंडा नहीं, बल्कि कीमती पत्थर लगने लगा है।

एक चीनी महिला ने लोगों को 20 साल पुराने उबले हुए अंडे की फोटो दिखाकर दंग कर दिया है। महिला का सरनेम फू है और उसने कुछ वक्त पहले चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म दोबान पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जो जीवाश्म अंडे की हैं। सोशल मीडिया पर जब तस्वीर वायरल हुई तो न्यूज आउटलेट ने भी महिला से संपर्क किया और अंडे की कहानी के बारे में जाना।

अंडे को रखकर सालों तक भूला रहा परिवार

महिला ने बताया कि जब वो स्कूल में थी, तब उसकी मां ने उसके खाने के लिए अंडा खरीदा था। उसका साइज काफी छोटा था। महिला ने एक दिन अंडे को उबालकर बच्ची को स्कूल में खाने के लिए दे दिया। पर चूंकि अंडा उसके बैग के अलग पॉकेट में रखा था, तो उसका ध्यान नहीं गया। 3 दिन बाद जब उसने अंडे पर ध्यान दिया, तो उसे लगा कि वो अब तक खराब हो चुका होगा। मगर उसे फेंकने की जगह उसने अंडे को फ्रिज के ऊपर सहेजकर रख दिया।

दो-तीन महीने बाद बच्ची की मां को वो अंडा दिखा जो सड़ने लगा था, मगर खराब होने की जगह वो लाल रंग लेता जा रहा था और चमकने लगा था। महिला ने उसे अपने गहनों के डिब्बे में सहेजकर रख लिया।

रूबी जैसा दिखने लगा पत्थर

साल बीते और फू अपने माता-पिता के घर से निकलकर बाहर चली गई पर ना ही उसे और ना ही उसकी मां को उस अंडे का ध्यान रहा। कुछ दिनों पहले जब मां घर की सफाई कर रही थीं तब उन्हें वो अंडा नजर आया। वो पूरी तरह लाल हो चुका था, चमक रहा था और उसके ऊपर लाइन्स थीं। दिखने में वो प्लास्टिक जैसा लग रहा था पर उसकी चमक और लाल रंग उसे रूबी जैसे कीमती पत्थर का लुक दे रही थीं।

यहां मिलता है काले रंग का अंडा! सेवन करने से बढ़ जाती है इंसान की उम्र!

आपने सफेद अंडे तो बहुत देखे होंगे, उन्हें खाया भी होगा पर क्या कभी आपने मुर्गी का काला अंडा देखा है? आप कहेंगे कि अंडा जल जाने के बाद काला हो सकता है पर प्रकृतिक रूप से काला अंडा नहीं हो सकता। पर जापान में काले रंग का अंडा देखने को मिलता है जिसे देखकर हर कोई हैरान हो जाता है। हम बात कर रहे हैं कूरो टमागो की जिसे काला अंडा कहा जाता है। जापान में ओवाकुदानी नाम की ग्रेट बॉइलिंग वैली है। ये माउंट हकोने पर स्थित है। 3000 साल पहले ज्वालमुखी फटने की वजह से ये बनी थी। यहां इतना तेज धमाका हुआ था कि आज भी इस इलाके में उबलते पानी के छोटे-छोटे तालाब बने हुए हैं। यहां मौजूद लोग इन्हीं तालाब में मुर्गी का साधारण सा अंडा उबालते हैं जो काले रंग का हो जाता है। इस काले अंडे को कूरो टमागो कहते हैं। मान्यता है कि ओवाकुदानी के उबलते पानी में उबले इन काले अंडों को जो कोई भी खा लेगा, उसकी जिंदगी में 7-8 और भी बढ़ जाएंगे। पर सवाल ये उठता है कि अगर अंडा मुर्गी का ही है और उसमें कोई खासियत नहीं है, और पानी भी उबलता हुआ है तो वो काला कैसे हो जाता है। दरअसल, इस पानी में सल्फर भारी मात्रा में है। इसकी वजह से पानी में सल्फर डायऑक्साइड और हाइड्रोजन सल्फाइड बनता है। जब ये पानी अंडे के छिलके से मिलता है तो काला हो जाता है। इस अंडे से सल्फर की महक आती है और स्वाद भी वैसा ही हो जाता है। अंडों को बड़ी मात्रा में इन्हीं पानी में उबाला जाता है और बहुत से लोग वहां घूमने और इन अंडों को खाने आते हैं। इन्हें धातु के बड़े मेटल क्रेट में भरा जाता है और एक घंटे तक पानी में डाल दिया जाता है। पानी का तापमान करीब 80 डिग्री सेल्सियस तक होता है। इसके बाद उन्हें 100 डिग्री सेल्सियस तक 15 मिनट के लिए स्टीम किया जाता है। वो काले होकर बाहर निकलते हैं और अंदर सफेद और पीला रंग मौजूद रहता है। लोगों को 300 रुपये में 5 अंडे दिए जाते हैं, यानी 300 रुपये में 35 साल!

नेता जी को पद्म विभूषण महान विचारों का सम्मान : अखिलेश

» शिवपाल बोले-अन्याय के विरुद्ध सतत संघर्ष ही नेताजी की पहचान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुलायम सिंह यादव का पद्म विभूषण उनकी तरफ से लेने उनके बेटे और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव राष्ट्रपति भवन पहुंचे,उन्होंने पिता की ओर से सम्मान ग्रहण करने के बाद ट्वीट कर कहा कि महान व्यक्तियों का सम्मान वास्तव में उनके महान विचारों और काम का सम्मान होता है।

अखिलेश यादव ने ट्विटर पर सम्मान ग्रहण करती हुई अपनी तस्वीर शेयर की है। उन्होंने कैप्शन दिया, महान व्यक्तियों का सम्मान वस्तुत: उनके महान विचारों एवं कार्यों का सम्मान होता है। माननीय नेता जी के 'पद्म विभूषण' से सम्मानित होने पर हार्दिक नमन! अखिलेश यादव और उनकी पत्नी डिंपल यादव बुधवार सुबह सम्मान समारोह में हिस्सा लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पहुंचे थे।

चाचा शिवपाल यादव ने कहा, अन्याय के विरुद्ध सतत संघर्ष ही नेताजी की पहचान है। नेताजी और उनकी समाजवादी मूल्यों की राजनीति ने देश के करोड़ों लोगों को सामाजिक न्याय का भरोसा दिया। कार्यक्रम में नेताजी के परिवार से अखिलेश यादव के अलावा धर्मेंद्र यादव, राम गोपाल यादव और शिवपाल सिंह यादव भी पहुंचे थे। बता दें कि मुलायम सिंह यादव का पिछले साल अक्टूबर महीने में गुड़गांव के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया था। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। मुलायम सिंह मैनपुरी से सांसद थे और उनके निधन से यह सीट रिक्त हो गई थी जहां से उनकी बहू डिंपल यादव निर्वाचित होकर संसद पहुंची हैं।

आप सदैव प्रेरणा देते रहेंगे : राज लक्ष्मी

राज लक्ष्मी यादव ने कहा, माननीय राष्ट्रपति जी द्वारा नेताजी को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया समाज की मुख्यधारा से शोषितों, वंचितों और पिछड़ों को जोड़ने के लिए वे सदैव याद किए जाएंगे। आप सदैव हम लोगों को प्रेरणा देते रहेंगे। उन्होंने ये प्रतिक्रिया अखिलेश यादव द्वारा शेयर की गई तस्वीर पर दी है।

सदैव याद किए जाएंगे मुलायम : सीएम योगी

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी मुलायम सिंह यादव को पद्म विभूषण सम्मान दिए जाने पर ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, माननीय राष्ट्रपति जी द्वारा आज पूर्व रक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव जी को पद्म विभूषण (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया। समाज की मुख्यधारा से शोषितों, वंचितों और पिछड़ों को जोड़ने के लिए वे सदैव याद किए जाएंगे। मुलायम सिंह यादव के अलावा कर्नाटक के पूर्व सीएम एसएम कृष्णा, मणिपुर में बीजेपी के अध्यक्ष थौना ओजम चौबा सिंह और त्रिपुरा के दिवंगत नेता नरेंद्र चंद्र देबबर्मा को भी पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है।

सत्येंद्र जैन को कोर्ट से झटका

» मनी लॉन्ड्रिंग मामले में खारिज की जमानत याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने मामले में सह आरोपी वैभव जैन और अंकुश जैन की जमानत याचिका भी खारिज कर दी।

उन्हें प्रवर्तन निदेशालय ने पिछले साल 30 मई को इस मामले में गिरफ्तार किया था।मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। सत्येंद्र जैन को एजेंसी ने साल 2022 में मई में गिरफ्तार किया था। तब से जैन जेल में ही हैं। जैन पर कथित तौर पर उनसे जुड़ी चार कंपनियों के जरिये धन शोधन करने का आरोप लगा है। उच्च न्यायालय ने ईडी और आप नेता के वकील की दलीलें सुनने के बाद 21 मार्च को जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया था।

भारत की जीडीपी में आएगी गिरावट : विश्व बैंक

» आरबीआई ने बढ़ाया भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आरबीआई ने जहां विकास दर के बढ़ने के अनुमान लगाया है वहीं सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमान के मुकाबले घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। विश्व बैंक ने अपने नवीनतम इंडिया डेवलपमेंट अपडेट ने यह अनुमान लगाया है। इससे पहले यह 2023-24 में यं अनुमान 6.6 प्रतिशत था।

उधर आरबीआई ने नई मौद्रिक नीति दरों में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। बैठक आज समाप्त होने के बाद रेपो दरों को 6.50 फीसद के स्तर पर बरकरार रखने की घोषणा की गई है। वहीं, बैठक से पहले रेपो दर, रिवर्स रेपो दर और अन्य संबंधित निर्णयों में बढ़ोतरी का अनुमान था। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नई मौद्रिक नीति की घोषणा करने के साथ ही इसने चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को बढ़ा दिया है। संशोधित वृद्धि दर को अब 6.5 प्रतिशत कर दिया गया है, जो पहले 6.4 प्रतिशत था। यह घोषणा वित्त वर्ष 2023-24 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति का अनावरण करते हुए किया गया है।

झारखंड के शिक्षा मंत्री का निधन

» 14 मार्च को विधानसभा के सत्र के दौरान अचानक खराब हो गई थी तबीयत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो का गुरुवार निधन हो गया। चेन्नई के अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। 2020 में उन्हें कोरोना हुआ था। इंफेक्शन इतना बढ़ गया था कि उनके फेफड़े का ट्रांसप्लांट करना पड़ा था। उसके बाद से वो बीमार चल रहे थे। वे गिरिडीह के डुमरी से विधायक थे।

14 मार्च को विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई थी। घबराहट और बेचैनी के बाद उनको पास के ही एचइसी-पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सीटी स्कैन सहित सभी प्रकार की जांच हुई ,जिसमें लंग्स में माइल्ड इंफेक्शन के संकेत मिले थे। उनको आईसीयू में शिफ्ट किया गया। रात में उन्हें एयर एंबुलेंस से एमजीएम चेन्नई शिफ्ट कर दिया गया था। लेने सीएम सोरेन पहुंचे थे। उनके निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ट्विट कर शोक जताया है। उन्होंने लिखा कि हमारे टाइगर जगरनाथ दा नहीं रहे! आज झारखंड ने अपना एक महान आंदोलनकारी, जुझारू, कर्मठ और जनप्रिय नेता खो दिया। चेन्नई में इलाज के दौरान आदरणीय जगरनाथ महतो जी का निधन हो गया। परमात्मा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवार को दु:ख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दें।

दो दिनों का होगा राजकीय शोक

शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के सम्मान में दो दिनों का राजकीय शोक मनाया जाएगा। आज यानी छह अप्रैल से सात अप्रैल तक राजकीय शोक होगा। इस दौरान सभी भवनों जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराये जाते हैं, पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झूका रहेगा। इस दौरान किसी भी प्रकार का राजकीय समारोह नहीं होगा। इसके साथ ही राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि छह अप्रैल यानी आज राज्य के सभी कार्यालय बंद रहेंगे।

युजवेंद्र चहल ने लसिथ मलिंगा को छोड़ा पीछे

» बने आईपीएल में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। युजवेंद्र चहल बुधवार को हुए आईपीएल मुकाबले में जितेश शर्मा का विकेट झटक कर एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। 2023 आईपीएल-16 में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं चहल, नंबर-1 बनने से महज इतने कदम हैं दूर है। राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल ने बीती रात (5 अप्रैल) हुए आईपीएल मुकाबले में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में एक विकेट लेकर वह आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए। उन्होंने इस मामले में दिग्गज श्रीलंकाई तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा को पीछे छोड़ा। लसिथ मलिंगा ने अपने आईपीएल-4करियर में 122 मुकाबले खेलते हुए 170 विकेट चटकाए थे। वहीं, चहल के आईपीएल विकटों की संख्या अब 171 हो गई है। चहल को यहां तक पहुंचने के लिए 133 आईपीएल मैच लगे। पंजाब किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा उनके 171वें शिकार बने।

सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप-10 गेंदबाज

1. ड्वेन ब्रावो:183 विकेट
2. युजवेंद्र चहल:171 विकेट
3. लसिथ मलिंगा:170 विकेट
4. अमित मिश्रा: 166 विकेट
5. आर अश्विन: 159 विकेट
6. पीयूष चावला: 157 विकेट
7. भुवनेश्वर कुमार:154 विकेट
8. सुनील नरेन:153 विकेट
9. हरभजन सिंह: 150 विकेट
10. जसप्रीत बुमराह: 145 विकेट

ड्वेन ब्रावो हैं नंबर-1

आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड विंडीज फास्ट बॉलर ड्वेन ब्रावो के नाम दर्ज है। ब्रावो ने 161आईपीएल मैचों में 183 विकेट चटकाए हैं। वह पिछले सीजन तक आईपीएल का हिस्सा थे, अब वह आईपीएल को अलविदा कह चुके हैं। अब चहल के पास सबसे ज्यादाआईपीएल विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का मौका है। उन्हें यह रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 13 विकेट की दरकार है। संभवत: वह इसी सीजन में यह बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं।

हनुमान जयंती राजधानी में हनुमान जयंती हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। जगह-जगह सुंदर कांड का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मंदिरों में सुबह से भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिरों के बाहर शोभायात्रा में लोगों ने हनुमान चालीसा के पाठ भी पढ़े।

फोटो: सुमित कुमार

स्थापना दिवस भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यालय पहुँचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। उन्होंने वहां पर ध्वजारोहण भी किया। इस अवसर पर उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे।

रिश्वत मांगने वाले आईपीएस अनिरुद्ध सिंह पर गिरी गाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में एएसपी और डिप्टी एसपी रैंक के 16 पुलिस अफसरों का तबादला किया गया है। जिसमें सबसे खास नाम आईपीएस अनिरुद्ध सिंह का है। मेरठ में एसपी ग्रामीण के पद पर तैनात रहे अनिरुद्ध सिंह वही आईपीएस हैं जिनकी वाराणसी में तैनाती के दौरान की एक वीडियो कॉल सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। अब उन्हें मेरठ से हटा दिया गया है। इसके साथ ही पूर्व डीजीपी डीएस चौहान के किए गए तीन और अफसरों का तबादला निरस्त किया गया है।

इसी तरह महोबा के एएसपी राजेंद्र कुमार गौतम को महिला और बाल सुरक्षा संगठन की एडीजी के स्टाफ अफसर पद पर तबादला रोक दिया गया है। राजेंद्र कुमार गौतम को अयोध्या में एएसपी ट्रैफिक और प्रोटोकॉल बनाया गया है। पुलिस मुख्यालय में एएसपी स्थापना राहुल मिश्रा का अयोध्या एएसपी ट्रैफिक के तौर पर तबादला भी निरस्त कर दिया गया है। राहुल मिश्रा स्थापना के ही एएसपी बने रहेंगे। स्पेशल डीजी के स्टाफ अफसर कृपाशंकर को लखनऊ में एडीसीपी बनाया गया। इसके अलावा उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के अपर पुलिस अधीक्षक पूर्णेन्दु सिंह को स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर का स्टाफ अफसर बनाया गया। जबकि स्पेशल डीजी के स्टाफ अफसर कृपाशंकर को लखनऊ में एडीसीपी बनाया गया। तबादलों के बाद एडीजी मेरठ जोन के स्टाफ अफसर आलोक दुबे को मेरठ में छठी वाहिनी पीएसी का उप सेनानायक बनाया गया। वहीं मेरठ की छठी वाहिनी के उप सेनानायक अनिल कुमार प्रथम को एडीजी मेरठ जोन का स्टाफ अफसर बनाया गया।

जबकि बिजनौर की अपर पुलिस अधीक्षक इंदु सिद्धार्थ को मेरठ में विजिलेंस का एएसपी बनाया गया। बुलंदशहर के एएसपी क्राइम कमलेश बहादुर का अलीगढ़ पीएसी 45वीं वाहिनी तबादला रोका गया है। इसके अलावा कमलेश बहादुर अब मेरठ के एएसपी ग्रामीण होंगे। वहीं डिप्टी एसपी राजेश कुमार तिवारी को बलिया से मुरादाबाद भेजा गया। अलीगढ़ में तैनात डिप्टी एसपी शिव प्रताप सिंह द्वितीय को मेरठ भेजा गया। लोकायुक्त के पुलिस उपाधीक्षक/अन्वेषण अधिकारी प्रयांक जैन को शाहजहांपुर भेजा गया है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन में डिप्टी एसपी योगेंद्र सिंह प्रथम को लोकायुक्त का पुलिस उपाधीक्षक/अन्वेषण अधिकारी बनाया गया है। अंकित कुमार द्वितीय को सीबीसीआईडी मुख्यालय से मुरादाबाद भेजा गया है। 48वीं वाहिनी पीएसी सोनभद्र के उप सेनानायक एसएन वैभव पांडेय को बलिया भेजा गया है। आलोक कुमार अग्रहरी को सीबीसीआईडी से झांसी भेजा गया। राजेंद्र कुमार सिंह द्वितीय को 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ से एयरपोर्ट सुरक्षा का डीएसपी बनाया गया।

मेरठ में एसपी ग्रामीण के पद से हटाए गए, यूपी में कई अधिकारियों का तबादला

साफ-सफाई के लिए साल भर चले अभियान: योगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» कई परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नगरों की साफ-सफाई के लिए साल भर अभियान चलना चाहिए। विदेशों के श्रेष्ठ शहरों से यूपी के नगरों की तुलना होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे देश में शहरीकरण बढ़ रहा है। देश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

भारत में मुफ्त आवास, मुफ्त इलाज और मुफ्त राशन मिल रहा है वहीं पाकिस्तान में रोटी के लाले पड़ रहे हैं। वह बृहस्पतिवार को लखनऊ में नगर विकास विभाग की महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास के मौके पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सफाई-कर्मियों को अच्छा वेतन मिलना ही चाहिए। हम नगरों की सफाई के लिए राज्य स्तर पर बोर्ड बनाएंगे जो सफाई की व्यवस्था को देखेगा। इस मौके पर नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने कहा कि इंजीनियर और अधिकारी निकाय में ऐसा कुछ विकास और नवाचार करें जिससे जनता आपको हमेशा याद रखे।

फोटो :4 पीएम

सत्याग्रह कांग्रेस पार्टी के समर्थकों ने मोदी सरकार के खिलाफ शहीद स्मारक पर किया सत्याग्रह।

कार पेड़ से टकराई, बच्चे समेत तीन की मौत

» हाथरस में हुआ हादसा, शादी से लौट रहा था परिवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, घटना एनएच 91 एटा रोड पर गांव भिसी मिर्जापुर पर हुई। हाथरस में सिकंदराराऊ के मोहल्ला खोड़ा हजारी और नई के नगला के छह लोगों से भरी हुई कार शादी समारोह में भाग लेकर वापस आ रही थी। जैसे ही कार एटा रोड पर गांव भिसी मिर्जापुर के पास पहुंची, अचानक अनियंत्रित होकर साइड में खड़े पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि इको कार के परखच्चे उड़ गए। कार में सवार 55 वर्षीय संतोष पुत्र नानूराम निवासी खोड़ा हजारी, हाथरस, 13 वर्षीय मोहित पुत्र ब्रजवासी लाल की मौके पर मौत हो गई। मंतोष पुत्र नंदराम को गंभीर अवस्था में अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां उसकी मौत हो गई। इस प्रकार सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।